जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड
खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर–302005
दूरभाष 0141–5192134

प्रेस नोट–06 जुलाई 2013

प्रदेश की प्रथम मेट्रो रेल परियोजना

जयपुर मेट्रो की दूसरी ट्रेन के डिब्बे पटरी पर उतरे

जयपुर, 06 जुलाई। प्रदेश की प्रथम मेट्रो रेल परियोजना के लिए बैंगलोर स्थित भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित चार डिब्बों वाली दूसरी ट्रेन के डिब्बों को शनिवार को यहां जयपुर मेट्रो के मानसरोवर डिपो में विशेष क्रेन के माध्यम से पटरी पर उतारा गया। इस ट्रेन के चारों डिब्बे शुक्रवार देर शाम को गुलाबी नगर पहुंचे थे। शनिवार शाम को दूसरी ट्रेन के दो डिब्बों को भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर श्री वी. एम. माथुर के नेतृत्व में तकनीकी विशेषज्ञों की देखरेख में पटरी पर उतारा गया। शेष दो डिब्बों को रविवार को पटरी पर उतारा जाएगा।

जेएमआसी के सीएमडी श्री निहालचंद गोयल ने बताया कि दूसरी ट्रेन के इन डिब्बों को शंटर से डिपो में ले जाने के बाद इनकी 'कपलिंग' होगी। इसके बाद प्रथम ट्रेन के डिब्बों की तरह ही डिपो में इनके 'स्टेटिक टेस्ट' होंगे और ये कोच 'चार्जिंग', 'एनर्जाईजेशन' और अन्य परीक्षणों से गुजरेंगे।

श्री गोयल ने बताया कि जयपुर मेट्रो द्वारा मानसरोवर से चांदपोल तक के प्रथम चरण के लिए 10 ट्रेन के कुल 40 डिब्बों के निर्माण का काम भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड को सौंपा हुआ है। एक ट्रेन में चार कोच शामिल है, प्रत्येक डिब्बे की लागत 12.5 करोड़ रुपये है। इस प्रकार एक ट्रेन के लिए 50 करोड़ रुपये के हिसाब से 10 ट्रेनों पर 500 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है।

सीएमडी ने बताया कि जयपुर मेट्रो की तीसरी ट्रेन के डिब्बे भी आगामी एक–दो दिन में बैंगलोर से विशेष ट्रेलर के माध्यम से जयपुर के लिए रवाना होंगे। बीईएमएल से प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार अब जुलाई से अक्टूबर तक हर माह दो ट्रेन बैंगलोर से तैयार होकर जयपुर पहुंचेगी। प्रथम चरण के लिए दसवीं ट्रेन का 20 अक्टूबर 2013 तक जयपुर पहुंचना प्रस्तावित है।

फोटो कैप्शन

फोटो 1–3: जयपुर मेट्रो की ट्रेन के डिब्बों के अंदर का दृश्य–विशेष फीचर्स

फोटो 4 से 12: प्रदेश की प्रथम मेट्रो रेल परियोजना की दूसरी ट्रेन के डिब्बों को शनिवार को जयपुर में मानसरोवर डिपो में पटरी पर उतारते हुए।

———

विशेषः मेट्रो ट्रेन के खास फीचर्स

जयपुर मेट्रो रेल के डिब्बों में यात्रियों की सुविधाओं और आरामदायक स्थितियों में विश्व स्तरीय 'पब्लिक ट्रांसपोर्ट' में सफर का एहसास देने के लिए विशेष फीचर्स शामिल किए गए हैं। भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड द्वारा जयपुर मेट्रो के लिए स्टैंडर्ड गेज लाईन की ट्रेन विकसित और डिजाईन की गई है। प्रत्येक ट्रेन में कुल चार डिब्बे हैं, जिसमें दो ड्राईवर ट्रेलर कार तथा दो मोटर कार सम्मिलित है।

यात्री क्षमता

एक ड्राईवर ट्रेलर कार की यात्री क्षमता जहां 315 है, वहीं मोटर कार में 342 यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। इस प्रकार जयपुर मेट्रो की एक ट्रेन में एक समय में 1314 यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। ट्रेन को इस प्रकार डिजाईन किया गया है कि ये अधिकतम 85 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने में सक्षम है। जबकि स्टेशन पर 30 सैकिण्ड के स्टॉपेज टाईम शामिल करते हुए राउंड ट्रिप स्पीड 34 किलोमीटर प्रति घंटा सम्भावित है।

विशेष योग्यजनों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए...

यात्रियों की सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसमें विशेष योग्यजनों, वरिष्ठ नागरिकों एवं महिलाओं के लिए विशेष सीटों का प्रावधान है। पूर्णतः वातानूकूलित ट्रेन के डिब्बों में सुरक्षा एवं सतर्कता की दृष्टि से चार क्लोज सर्किट टीवी कैमरा स्थापित है। यात्रियों को आगामी स्टेशनों के साथ ही ट्रेन के संचालन के सम्बंध में अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां देने के लिए ट्रेन के अंदर 'यात्री सूचना तंत्र' (पैसेंजर इंफॉरमेशन सिस्टम) के तहत डिजीटल पैसेंजर इंफॉरमेशन बोर्ड लगे रहेंगे, जो ट्रेन के संचालन के दौरान दृश्य और श्रव्य माध्यम से आवश्यक सूचनाएं यात्रियों तक पहुंचाएंगे। मेट्रो के संचालन के रूट को दर्शाने के लिए प्रत्येक कोच में विशेष रूप से डिजाईन किए गए नक्शे लगाए जाएंगे, जिनमें अलग–अलग रंगों का प्रयोग करते हुए स्टेशन की ताजा स्थिति की जानकारी दी जाएगी।

मेट्रो के डिब्बों में 'डिस्क ब्रेक' तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, इससे ट्रेन को रोकते समय यात्रियों को झटके महसूस नहीं होंगे। इसके साथ ही प्रत्येक डिब्बे में 46 किलोवाट के दो हीटिंग वेंटिलेशन एवं एयर कंडीशनिंग सिस्टम लगाए गए हैं। ये भीषण गर्मी में प्रभावी कूलिंग तथा तीव्र सर्दी के मौसम में हीटिंग करते हुए यात्रियों को राहत प्रदान करेंगे। सुरक्षा और सतर्कता के लिहाज से भी जयपुर मेट्रो के डिब्बों में अत्याधुनिक और उन्नत तकनीक का प्रयोग किया गया है। मेट्रो में सफर कर रहे यात्री किसी भी आपात स्थिति में प्रत्येक डिब्बे में स्थापित 'पैसेंजर इमरजेंसी अलार्म हेंडिल' का प्रयोग कर सीधे 'ट्रेन आपरेटर' से बात कर सकते है। इसके अतिरिक्त चार आपात द्वार (इमरजेंसी एक्जिट) भी ट्रेन में बनाए गए है। किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों की सहायता के लिए प्रभावी 'लाईटिंग सिस्टम' का भी प्रावधान है।